

भारत में पर्यटन की आवश्यकता एवं महत्व

डॉ. महेन्द्रसिंह*, गुमानसिंह मुझाल्दा**

वर्तमान भाग-दौड़ की जिंदगी में मानव अपने मनोरंजन एवं स्वास्थ्य के लिए बिल्कुल भी समय नहीं दे पा रहा है, परिणामस्वरूप मानव एक ही प्रकार का दैनिक जीवन व्यतीत करते-करते जिंदगी के प्रति उदासीन होता जा रहा है। साथ ही तीव्र गति से बढ़ रही जनसंख्या और नगरीकरण के कारण स्थानीय स्तर पर मनोरंजन एवं घुमने-फिरने जैसे खुले स्थानों में कमी होने के कारण भी मानव घर की चार दीवारों में बंद हो कर जीवन जीने को मजबूर होता जा रहा है। इन्हीं कारणों से ही मानव मनोरंजन हेतु टेलीविजन और इंटरनेट वाले मोबाइल फोन तक सीमित रह गया है। मानव की इस प्रकार की दिनचर्या न सिर्फ उसके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक सिद्ध हो रही है, वरन् वह उसके दैनिक क्रियाकलापों को भी प्रभावित कर रही है, जिसका सीधा-सीधा नकारात्मक प्रभाव उसके सामाजिक जीवन पर भी दिखाई देने लगा है। ऐसी परिस्थितियों में आवश्यक हो जाता है कि अपने शरीर को स्वस्थ बनाये रखने, दैनिक जीवन के क्रियाकलापों में सकारात्मकता बनाने एवं सामाजिक सद्भाव हेतु अपने निवास स्थल से हट कर कहीं बाहर भ्रमण हेतु जाए। जिससे कि दैनिक गतिविधियों से हटकर एक नया माडौल प्राप्त हो सके जो सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह कर सके। यही कारण है कि पिछले कुछ दशकों में पर्यटकों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है और पर्यटन विकास भी तेजी से हुआ है

जिसके परिणाम स्वरूप पर्यटन आज एक प्रमुख उद्योग के रूप में विकसित हो रहा है।

पर्यटन जहाँ एक ओर व्यक्ति का मनोरंजन करता है, स्वास्थ्य हेतु लाभप्रद होता है एवं नवीन ज्ञान को बढ़ाते हुए जिज्ञासा का बढ़ाता है वहीं अनेक लोगों को रोजगार भी प्रदान करता है। पर्यटन के माध्यम से अनेक प्रकार के रोजगारों का सृजन होता है जो कि पर्यावरण प्रदूषण की दृष्टि से भी लाभदायक है। अर्थात् वह उद्योग है जो प्रदूषण नहीं करता है साथ ही प्रदूषण को कम करने का संदेश देता है।

पर्यटन के प्रकार

पर्यटन की आवश्यकता और महत्व को समझने हेतु इसके विभिन्न प्रकारों का अध्ययन करना आवश्यक है, जो निम्नलिखित है -

समुद्र तट पर्यटन

कई पर्यटक समुद्र तटों पर अपनी छुट्टियाँ बिताते हैं वे आराम करते हैं, स्नान करते हैं या नमकीन समुद्री हवा और समुद्र का आनंद लेते हैं। समुद्र तटों पर छुट्टियों के खर्च पर डेढ़ शतकों की लंबी परंपरा रही है।

शीतकालीन पर्यटन

शीतकालीन पर्यटन 19 वीं सदी के मध्य में शुरू हुआ, जब अमीर यूरोप सेंट मॉरिट्स और अन्य अल्पाइन रिसॉर्ट्स में गए।

*अधिष्ठाता, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय, माधव विश्वविद्यालय, पिण्डवाडा, राजस्थान।

**शोधार्थी, राजनीति विज्ञान, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश।

Correspondence E-mail Id: editor@eurekajournals.com

यूरोप और अमेरिकी रॉकी स्कीइंग रिसेंटर्स में हर साल लाखों लोगों को आकर्षित करते हैं। विभिन्न लिफ्टों स्कीयर 3,000 मीटर से अधिक की ऊंचाई तक ले जाते हैं।

चिकित्सा पर्यटन

लोग चिकित्सा उपचार और संचालन के लिए अन्य देशों में जाते हैं। उदाहरण के लिए, आयरिश महिलाओं का ब्रिटेन जाने का कारण गर्भपात है, जो उनके देश में मना किया जाता है। पश्चिम यूरोप के लोग दंत चिकित्सा के लिए पूर्वी यूरोप में जाते हैं। अमेरिकी प्लास्टिक सर्जरी और अन्य कार्यों के लिए मैक्सिको जाते हैं।

शैक्षिक पर्यटन

युवा लोग दूसरे देशों में विनिमय छात्रों के रूप में रहते हैं, जहां वे स्कूल जाते हैं और मेजबान देश की भाषा और संस्कृति का अध्ययन करते हैं।

खेल पर्यटन

खेल प्रशंसकों की बढ़ती संख्या उन स्थानों पर जाते हैं जहां विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। ओलंपिक खेलों और विश्व चौपियनशिप दुनिया भर से आगंतुकों को आकर्षित करती हैं।

संपुटित भ्रमण

एक ब्रिटिश व्यापारी, थॉमस कुक द्वारा 19 वीं सदी के मध्य में संगठित भ्रमण शुरू किया गया था। पैकेज टूर गंतव्य के लिए यात्रा और आवास से बने होते हैं। एक पर्यटक एजेंसी प्रायः विमान उड़ान से लेकर किराये की कार तक सब कुछ प्रदान करती है। कभी-कभी ऐसे पैकेज टूर समुद्र तट की छुट्टियों और दर्शनीय स्थलों की यात्रा का संयोजन प्रदान करते हैं।

स्पा पर्यटन

स्पा वर्तमान समय में लोकप्रिय हो गया है। 16 वीं शताब्दी में ब्रिटिश स्नान गृह जगता

के लिए स्पा पर्यटन के केंद्र बन गया। यह कार्य 19 वीं शताब्दी के दौरान पूरे यूरोप में उभरा। आज लोग खनिज तेल के उपचार के साथ-साथ कल्याण उपचार, मालिश, भाप स्नान और अन्य सेवाओं के लिए स्पा सेंटर जाते हैं।

साहसिक पर्यटन

पिछले कुछ दशकों में दूर के विदेशी स्थानों की यात्राएं लोकप्रिय हो गई हैं। रोमांचकारी गतिविधियों की तलाश में पर्यटक पर्वतारोहण, राफ्टिंग, ट्रेकिंग या वर्षावन में दूरदराज के स्थानों तक भी जाते हैं।

धार्मिक पर्यटन

धार्मिक पर्यटक पवित्र स्थलों के लिए तीर्थ यात्रा पर जाते हैं। रोमन कैथोलिक, उदाहरण के लिए, यूरोप में लूरेंस, फातिमा या वेटिकन की यात्रा करते हैं मुसलमानों को अपने जीवनकाल में कम से कम एक बार मक्का जाना पड़ता है वाराणसी, गंगा नदी के तट पर, हिंदुओं को आध्यात्मिक राजधानी है।

पर्यावरण पर्यटन

हाल ही में कई लोगों ने पर्यटन का एक प्रकार चुना है जो पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचाता है। वे विमान से यात्रा करने से बचते हैं या लुप्तप्राय पौधों और जानवरों से बना स्मृति चिन्ह नहीं खरीदते हैं कुछ हॉलेडे ऑफर पर्यटकों को पर्यावरणीय परियोजनाओं में भाग लेने का मौका प्रदान करता है।

उपरोक्त पर्यटन के प्रकारों के अध्ययन से स्पष्ट है कि भारत में उक्त सभी प्रकार के पर्यटन की असीम संभावनाएं मिलती हैं। यदि इन सभी संभावनाओं को उद्योग के रूप में विकसित किया जाता है तो भारत में ना सिर्फ बेरोजगारी की समस्या दूर होगी वरन् देश को इससे भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा भी

प्राप्त होगी जो कि अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने का कार्य करेगी।

भारत में पर्यटन उद्योग के विकास का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष यह होगा कि पर्यटन उद्योग के विकास होने से अन्य क्षेत्रों के उद्योगों से होने वाले प्रदूषण जैसी समस्या नहीं होगी जो कि पर्यावरण संरक्षण हेतु आवश्यक है। साथ ही देश को विभिन्न क्षेत्रों में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति भी प्राप्त होगी।

अतः वर्तमान समय में भारत में पर्यटन उद्योग के महत्व को देखते हुए उसके विकास की विशेष आवश्यकता है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

- [1]. <http://www.english-online.at/travel/tourism/tourism.htm>.
- [2]. खत्री, एच.एस. (2015), पर्यटन भूगोल, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल।